कालानमक चावल को नेशनल ओडीओपी अवार्ड में मिला ब्रांज

आंध्र प्रदेश को गोल्ड और महाराष्ट्र को मिला सिल्वर 587 जिलों से एक जिला एक उत्पाद अवार्ड के लिए गया था 641 आवेदन

जागरण संवाददाता, सिद्धार्थनगर : कालनमक की सुगंध एक बार फिर देश स्तर पर महसूस की गयी। एक जिला एक उत्पाद के तहत इसे विशेष रूप से प्रमोट करने के लिए ओडीओपी का नेशनल अवार्ड सिद्धार्थनगर को मिला है। सोमवार को दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आयोजित ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) अवार्ड समारोह में जिलाधिकारी डा.राजागणपति आर को सिद्धार्थनगर जिले के लिए ब्रांज अवार्ड दिया गया है। ओडीओपी अवार्ड में यह प्रदेश का इकलौता जिला है। इसके अलावा ओडीओपी अवार्ड में आंध्र प्रदेश को गोल्ड व महाराष्ट्र को सिल्वर दिया गया है।

जिलाधिकारी डा.राजा गणपति आर ने बताया कि सोमवार की शाम साढ़े पांच बजे उन्हें भारत मंडपम में यह अवार्ड वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग के राज्य मंत्री जितिन प्रसाद, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिया है। जिलाधिकारी ने बताया कि यह समूचे जनपदवासियों के लिए गर्व का विषय है।

उनके संयुक्त प्रयासों की देन रही, जो जिले को यह पुरस्कार मिला है। ओडीओपी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग ने नेशनल ओडीओपी अवार्ड की शुरुआत की है। इस अवार्ड के लिए देश के 587 जिलों से 641 आवेदन गया था। इसमें सिद्धार्थनगर में ब्रांज ओडीओपी अवार्ड मिला है।

कालानमक को निरंतर प्रमोट कर रही प्रदेश सरकार: एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) में कालानमक का चयन होने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार निरंतर कालानमक के प्रचार-प्रसार पर जोर दे रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद बड़े मंचों पर इस चावल की चर्चा करते हैं। ओडीओपी में चयनित होने के बाद इस चावल के उत्पादन पर बढ़ावा देने के लिए 21 अप्रैल 2022 को पूर्व जिलाधिकारी दीपक मीणा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पुरस्कृत किया था।

दिल्ली में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बीच में व दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से नेशनल ओडीओपी अवार्ड लेते डीएम सिद्धार्थनगर राजागणपति आर बाएं से दूसरे • सौ.स्वयं

24 जनवरी 2018 को कालानमक का ओडीओपी में चयन

2,000 हेक्टेयर कम क्षेत्रफल था कालानमक का ओडीओपी में चयन से पहले

18,000 हेक्टेयर वर्तमान में है कालानमक का क्षेत्रफल

कालानमक के प्रमोशन के लिए किये गए प्रमुख कार्य

- 22-23 दिसंबर को क्रेता-विक्रेता सम्मेलन
- 25 मई को 11 जनपदों का भौगोलिक संकेत (जीआई) सम्मेलन

प्रस्तावित कार्य

- क्वालिटी टेस्टिंग लैब
- कामन फैसिलिटी सेंटर

लोकल फार वोकल की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

पारा नानकार क्षेत्र में कालानमक की खेती करने वाले किसान प्रभाकर मिश्र का कहना है कि यह अवार्ड वोकल फार लोकल की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवार्ड से कालानमक की खेती को और बल मिलेगा।

कालानमक के प्रमोशन, प्रसार के लिए पिछले एक वर्ष में काफी कार्य हुए हैं। जीआई सम्मेलन व क्रेता-विक्रेता सम्मेलन के अलावा भी बहुत से कार्य कालानमक के प्रमोशन के लिए किये गए हैं। नियमित कालानमक बोर्ड की बैठकें हो रही हैं। इरी के सहयोग से किसानों को नवीनतम जानकारी दी जा रही है। इसके चलते सिद्धार्थनगर को नेशनल ओडीओपी अवार्ड दिया गया है। इस वर्ष कालानमक की खेती में और विस्तार आएगा।

डा.राजा गणपति आर
जिलाधिकारी।